



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

1/1/86

सं० 35]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 10, 1986/माघ 21, 1907

No. 35]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 10, 1986/MAGHA 21, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1986

सं. एफ. 4(5)/डब्ल्यू. एण्ड एम./85 :—9.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (दूसरा निर्गम), 10.80 प्रतिशत ऋण, 2000 (तीसरा निर्गम) और 11050 प्रतिशत ऋण, 2015 (चौथा निर्गम) के लिए 700 करोड़ रुपये की कुल राशि के वास्त 17 फरवरी, 1986 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिदान नक्की में स्वीकार किए जाएंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1831 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 17 फरवरी, 1986 को छुट्टी घोषित किए जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक सम्बन्धित दादाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किए जाएंगे। सरकार को 700 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक या यथासम्भव उसके निकट अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 770 करोड़ रुपये से अधिक हो तो ऋणों के संदर्भ में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटाई गई राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 मई, 1995 को सममूल्य पर प्रतिदेय 9.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (दूसरा निर्गम) :—

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 21 मई, 1995 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 17 फरवरी, 1986 से वार्षिक 9.50 प्रतिशत होगी। 17 फरवरी, 1986 से 20 मई, 1986 (दोनों दिन मिलाकर) तक का ब्याज 21 मई, 1986 को अदा किया जाएगा और

उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 नवम्बर, और 21 मई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किए गए ब्याज पर नीचे दिए हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जाएगी।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 22 जुलाई, 2008 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.80 प्रतिशत ऋण, 2008 (तीसरा निर्गम) :—

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 22 जुलाई, 2008 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकोतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 17 फरवरी, 1986 से वार्षिक 10.80 प्रतिशत होगी। 17 फरवरी, 1986 से 21 जुलाई, 1986 (दोनों दिन मिला कर) तक का ब्याज 22 जुलाई, 1986 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 22 जनवरी और 22 जुलाई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किए गए ब्याज पर नीचे दिए हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जाएगी।

5. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 मई, 2015 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (चौथा निर्गम) :—

- (1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 21 मई, 2015 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (2) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकोतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 17 फरवरी, 1986 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 17 फरवरी, 1986 से 20 मई, 1986 (दोनों दिन मिलाकर) तक का ब्याज 21 मई, 1986 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 21 नवम्बर, और 21 मई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किए गए ब्याज पर नीचे दिए हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जाएगी।

#### पूरक व्यवस्थाएं

8. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किए जाएंगे :—

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली,

पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यालय ; और

- (ख) उपर्युक्त (क) में दिए गए स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिज़र्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उग-राजकोष में ब्याज अदा किया जाएगा।

9. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित करों पर) काटे गए कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गए कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है, वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किए बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में नोपणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किए बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किए जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80-ठ के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किए जाने वाले ऋणों में किए जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों और सम्पत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक सम्पत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियाँ निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी :—

- (1) स्टॉक प्रमाण-पत्र, या
- (2) दचन-पत्र

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो स्टॉक प्रमाण-पत्रों व तैरूप में प्रतिभूतियाँ जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदन-पत्र—ऋणों के लिए आवेदन-पत्र रु. 1000 या उससे गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि

और चिह्न, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का सफट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता है।

14. आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किए जाने वाले चेक सम्बन्धित बैंक के नाम आहरित किए जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण आवेदन-पत्रों पर किए गए आबंटनों पर तथा दानों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरयुक्त ऋण आवेदन-पत्रों पर किए

गए आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली बका की जाएगी। बैंक—ग्राणिज्य और सहकारी बैंक—उनकी अपने अभिदानों के लिए दलाली की अदायगी को प्राप्त नहीं होंगे।

दलाली की अदायगी के लिए ऋण जारी किए जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,

के. एड. शास्त्री, संयुक्त सचिव

आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम\*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु०----- (----- रुपये) के लिये नकदी\* प्रस्तुत करता हूँ/करते

हैं और यह प्रचुरोष करता हूँ/करते हूँ कि मुझे/हमें\* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों के वचनपत्र/पत्रों\* के रूप में रु०----- स्टाक प्रमाण-पत्र के रूप में रु०-----

के सांकेतिक मूल्य की 9.50 प्रतिशत ऋण, 1995 (बूसरा निर्गम)\* / 10.80 प्रतिशत ऋण, 2008 (बीसरा निर्गम)\* / 11.50 प्रतिशत ऋण, 2015 (बीसरा निर्गम)\* की प्रतिभूतियां जारी की जायें:--

प्रति वचनपत्र रु०----- का(के)†----- वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु०----- का(के)†----- वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु०----- का(के)†----- वचनपत्र

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज----- में प्रदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी: इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें

प्रतिभूतियां अदाता कार्यालय द्वारा की जायेंगी।

	आधार	दिनांक
आवेदन पत्र सं०		
"दलाली नहीं" मुहर		
नकदी प्राप्त होने की तारीख		
बैंक वसूल करने की तारीख		
विशेष बालू खाने में जमा करने की तारीख		
जांच की गयी		
नकदी आवेदनपत्रों को रजिस्टर में दर्ज किया गया		
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया		
दांग पत्र सं०		
प्रतिभूति सं०		
फार्म सं०		
बाउण्डर पारित करने की तारीख		

हस्ताक्षर -----

पूरा(पूरे) नाम -----

पता : -----

दिनांक : ----- फरवरी, 1986

\*को आवश्यक न हो उसे काट दिया जाये।

†वचनपत्र रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहाँ उल्लेख करें।

- टिप्पणियाँ: (1) प्रत्येक श्रृण, समिदान के प्रत्येक प्रकार और अश्वेक्षित नये श्रृण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिनूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिये अलग-अलग आवेदन किया जाये।
- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके तक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, अवसाथ और पते दिये जायें।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाये तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक श्रृण कार्यालय में पहले हो पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जायें:—
- निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उदापो सत्य प्रतिलिपि।
  - कंपनी/निकाय के स्थापन पत्र और अंतर्निमय या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।
  - कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेन-देन करने के लिये प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उत्तर/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें उमाही व्याज के प्रेषण के लिये प्रादेश फार्म (लोक श्रृण कार्यालय में उलब्ध) भी भरना चाहिये।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th February, 1986

No. F. 4(5) W&M/85.—Subscriptions for the issues of 9.50 per cent. Loan, 1995 (Second Issue), 10.80 per cent. Loan, 2008 (Third Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2015 (Fourth Issue) for an aggregate amount of Rs. 700 crores will be received in the form of cash on the 17th February 1986 upto the close of Banking hours. In the event of 17th February 1986 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 700 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 770 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 9.50 per cent. Loan, 1995 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st May 1995.

- Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st May 1995.
- Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- Interest—The Loan will bear interest at the rate of 9.50 per cent per annum from 17th February 1986. Interest for the period from 17th February 1986 to 20th May 1986 (inclusive) will be paid on 21st May 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st November and 21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 10.80 per cent. Loan, 2008 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 22nd July 2008

- Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 22nd July 2008.

(ii) **Issue Price**—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

(iii) **Interest**—The Loan will bear interest at the rate of 10.80 per cent per annum from 17th February 1986. Interest for the period from 17th February 1986 to 21st July 1986 (inclusive) will be paid on 22nd July 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 22nd January and 22nd July. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 11.50 per cent Loan, 2015 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 21st May 2015.

(i) **Date of Repayment**—The Loan will be repaid at par on the 21st May 2015.

(ii) **Issue Price**—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

(iii) **Interest**—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 17th February 1986. Interest for the period from 17th February 1986 to 20th May 1986 (inclusive) will be paid on 21st May 1986 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 21st November and 21st May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

#### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at —

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

7. **Place of Payment of Interest**—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore,

Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by the holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

11. The securities will be issued in the form of :—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Stock Certificates.

12. **Applications for the Loans**.—Applications for the Loans must be for Rs. 1000 or a multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications

for the loans tendered by them and bearing their stamp, Banks—Commercial and Co-operative banks will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,  
K. S. SASTRY, Jt. Secy.

#### FORM OF APPLICATION

I/We\* .....  
[Full Name(s) in Block Letters] .....

\*Cash  
herewith tender—Rs. .... (Rupees. ....)

Cheque for  
and request that Securities of 9.50 per cent. Loan, 1995 (Second Issue) \*/10.80 per cent. Loan, 2008 (Third Issue) \*/11.50 per cent. Loan, 2015 (Fourth Issue)\* of the nominal value of Rs. ....

may be issued to me/us\* in the form of

\*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below:—  
Stock Certificate

..... Promissory Note(s)† of Rs. .... Each.  
..... Promissory Note(s)† of Rs. .... Each.  
..... Promissory Note(s)† of Rs. .... Each.

2. I/We\* desire that interest be paid at .....

N.B. —The applicant should not write anything in this cage.  
The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date
Application No. ....		
N.B. Stamp .....		
Cash Received on .....		
Cheque Realised on .....		
Credited to Special Current Account on .....		
Examined .....		
Cash Applications Register Posted .....		
Brokerage Register Posted .....		
Indent No. ....		
Scrip No. ....		
Card No. ....		
Voucher passed on .....		

Signature(s) .....  
Name(s) in full .....  
(Block Letters)  
Address .....  
Dated the ..... of  
February 1986.

\*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000, and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- NOTES : (1) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-laws of the company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.